कृषि विज्ञान केंद्र हरदोई-II द्वारा फसल अवशेष प्रबन्धन परियोजना के अन्तर्गत जिला स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम एवं किसान गोष्ठी कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद -केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र हरदोई-II, द्वारा दिनांक 21 मार्च 2025 को फसल अवशेष प्रबन्धन परियोजना के अन्तर्गत जिला स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम एव किसान गोष्ठि कराया गया। जिसमें भरावान, संडीला, सुरसा एवं कोथांवा ब्लॉक के किसानों ने इस कार्यक्रम में बड चढ़ कर भाग लिया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. संजय सिंह, महानिदेशक, उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद् (उपकार), लखनऊ ने जैव अवघटकों के प्रयोग पर जोर देते हुए कहा की इनके प्रयोग से किसान फसल अवशेष का उचित प्रबंधन कर सकते हैं। फसल विविधीकरण पर जोर देते हुए कहा की विविधीकरण व कृषि उधमिता के साथ उत्पादों के पैकेजिंग व मार्केटिंग से किसानो को अधिक से अधिक लाभ मिल सकता है। कृषि अनुसंधान व कृषि विज्ञान केन्द्र की योजनायों के माध्यम से किसानों को उन्नत तकनीक का लाभ लेने पर जोर दिया बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी और उन्होंने कहा की इन योजनाओं का लाभ लेकर किसान अपनी आमदनी में वृद्धि कर सकते हैं। कार्यक्रम के शुरुवात में कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, डॉ. पंकज नौटियाल ने कार्यक्रम में आये सभी अतिथियों एवं किसान भाइयों, बहनों का स्वागत किया गया और फसल अवशेष परियोजना की गतिबिधियों के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। कार्यक्रम के विशिष्ठ अथिति एवं क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान-केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, लखनऊ के डॉ.संजय अरोरा प्रधान वैज्ञानिक ने फसल अवशेष प्रबन्धन के विभिन्न उपयोग एवं इनके द्वारा अवशेष को सड़ाने के लिए स्वयं निर्मित जैविक अपघटक (हेलो-केयर) कैसे कार्य करता है एवं उसके प्रयोग विधि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। रघुनन्दन महाविद्यालय के प्रबन्धक श्री धीरज प्रताप सिंह चौहान ने कृषि विज्ञान केंद्र के कार्यों एवं फसल अवशेष परियोजना की सराहना की और कृषि विज्ञान केंद्र से अधिक से अधिक लाभ लेंने के लिए उत्साहित किया I कार्यक्रम के अंत में मुख्य अथिति द्वारा किसानो को फसल अवशेष प्रबंधन हेतु जैव अपघटक हेलो- केयर आगामी खरीफ फसल के बीज वितरण भी किया गया ।साथ ही अतिथियों द्वारा एक माह तक चले कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के 20 प्रशिक्षार्थियों को प्रमाण पत्र एवं प्रशिक्षण किट वितरित किये गये। कार्यक्रम में प्रकाश हनी के श्री ओम प्रकाश मौर्या, इफको, कृषि विभाग, उद्यान विभाग, मत्स्य विभाग, संडिला अन्नदाता द्वारा स्टाल लगाकर किसानों को जानकारी दी गयी। गोष्ठि में केंद्र के मृदा विशेषज्ञ डॉ त्रिलोक नाथ राय, सी एम फैलो किरन कुमारी, कृषि विभाग के श्री प्रमोद सिंह, श्री रूप कुमार, मत्स्य विभाग के श्री अवधेश कुमार एच सी एल फाउंडेशन के विक्रांत कम्बोज, इफ़को के चन्द्र शेखर पाल ने जानकारी दी | प्रसार विशेषज्ञ मोहित सिंह ने मंच का संचालन सफलतापूर्वक किया I थांगा अनुसया, मत्स्य विज्ञान विशेषज्ञ ने आज के कार्यक्रम में आये सभी किसान भाई एवं बहनों का पंजीकरण किया दी । कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन परियोजना के समन्वयक एवं शस्य विज्ञान विशेषज्ञ डॉ. त्रलोकी सिंह ने किया। कार्यक्रम में परसा, पूरवामान, लालामाऊ, मदारी खेडा, गंगापुर, टिक्राखुर्द, टिकरा कला, पवायाँ, इटौंजा, गोनी गुडबा, बर्रिया, गोडवापट्टी, छावन, रामपुर, धिकुन्नी, पवाया, सरवा, मबई, शिवपुरी, मानपुर, मंडौली, पिरनखेड़ा ,मदारी खेड़ा, बसंतापुर के लगभग 400 से अधिक किसान भाई एवं बहनों ने भाग लिया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, हरदो
फसल अवशेष प्रबन्धन परियोजना
जिला स्तरीय जा

ज्ञान केन्द्र, हरदोई –II
द्वारा आयोजित
प्रबन्धन परियोजना के अंतर्गत
जागरूकता कार्यक्रम
21 मार्च 2025